Abhishek Prakash

09 Feb 1987

10:26 AM

Bokaro Steel City

Model: Shani-Sadesati-Report **Order No: 120953301**

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/02/1987**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:26:00 घंटे**
इष्ट	10:08:03 घटी
स्थान	**Bokaro Steel City**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	23:40:09 उत्तर
रेखांश	86:09:04 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:40:36 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	19:55:38 घंटे
सूर्योदय	06:22:46 घंटे
सूर्यास्त	17:36:41 घंटे
दिनमान	11:13:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:13:29 मकर
लग्न के अंश	13:52:39 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1908	माघ	20
पंजाबी	संवत : 2043	माघ	27
बंगाली	सन् : 1393	माघ	26
तमिल	संवत : 2043	थई	27
केरल	कोल्लम : 1162	मकरम	26
नेपाली	संवत : 2043	माघ	27
चैत्रादि	संवत : 2043	माघ	शुक्ल 11
कार्तिकादि	संवत : 2043	माघ	शुक्ल 11

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि ___: 11
तिथि समाप्ति काल _____: 17:54:26
जन्म तिथि _____: 11
सूर्योदय कालीन नक्षत्र ___: मृगशिरा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 14:06:44 घंटे
जन्म योग _____: मृगशिरा
सूर्योदय कालीन योग ___: वैधृति
योग समाप्ति काल _____: 08:25:29 घंटे
जन्म योग _____: विष्कुम्भ
सूर्योदय कालीन करण ___: विष्टि
करण समाप्ति काल _____: 17:54:26 घंटे
जन्म करण _____: विष्टि
भयात _____: 58:19:14
भभोग _____: 67:31:04
भोग्य दशा काल _____: मंगल 0 वर्ष 11 मा 13 दि

घात चक्र

मास _____: आषाढ़
तिथि _____: 2-7-12
दिन _____: सोमवार
नक्षत्र _____: स्वाति
योग _____: परिघ
करण _____: कौलव
प्रहर _____: 3
वर्ग _____: मूषक
लग्न _____: कर्क
सूर्य _____: मीन
चन्द्र _____: कुम्भ
मंगल _____: मेष
बुध _____: मकर
गुरु _____: वृष
शुक्र _____: मिथुन
शनि _____: कुम्भ
राहु _____: कर्क

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

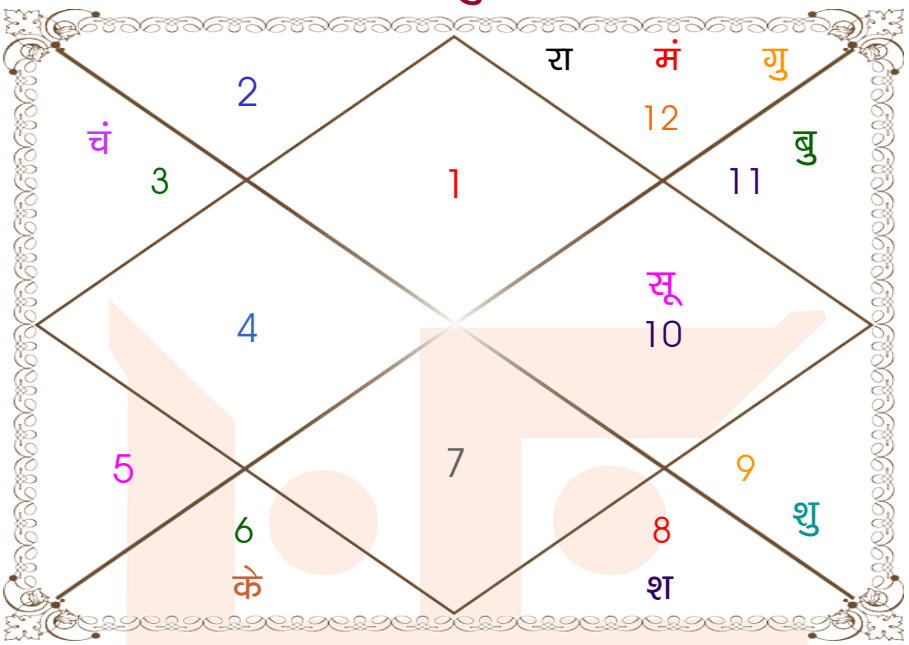

चन्द्र कुंडली

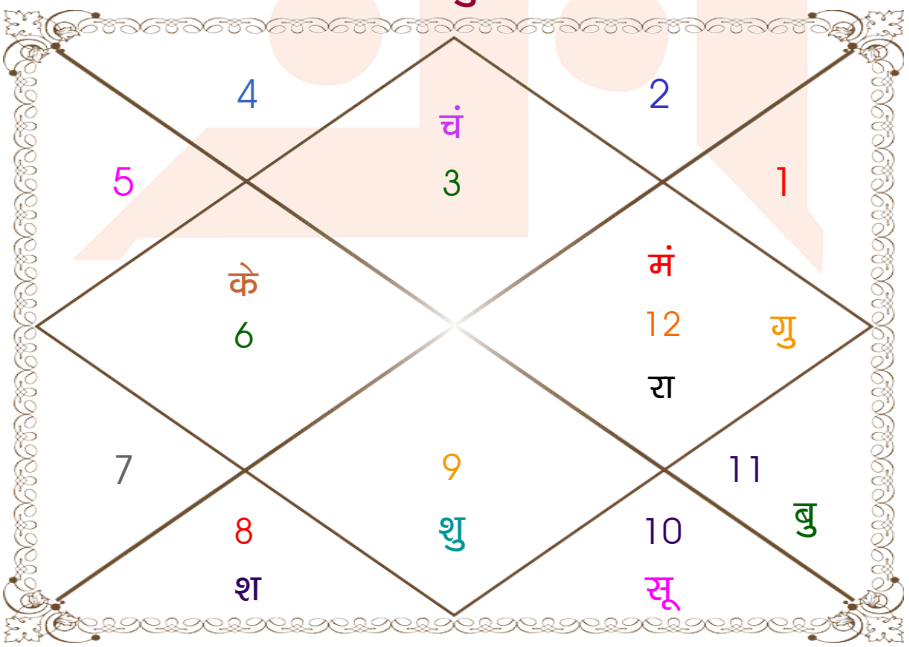

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

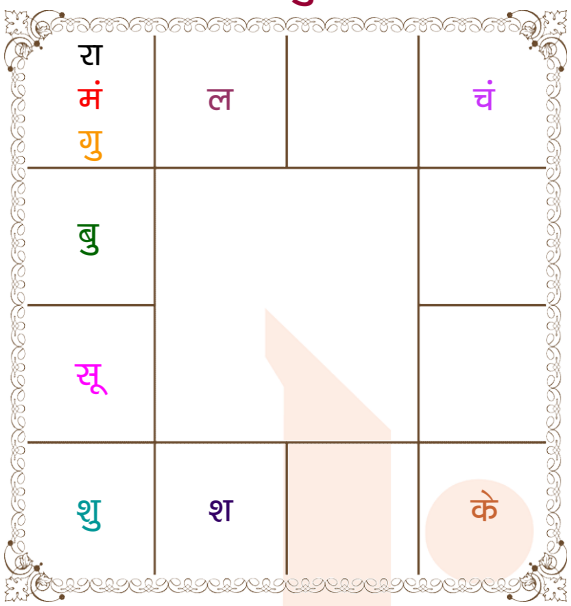

लग्न कुंडली

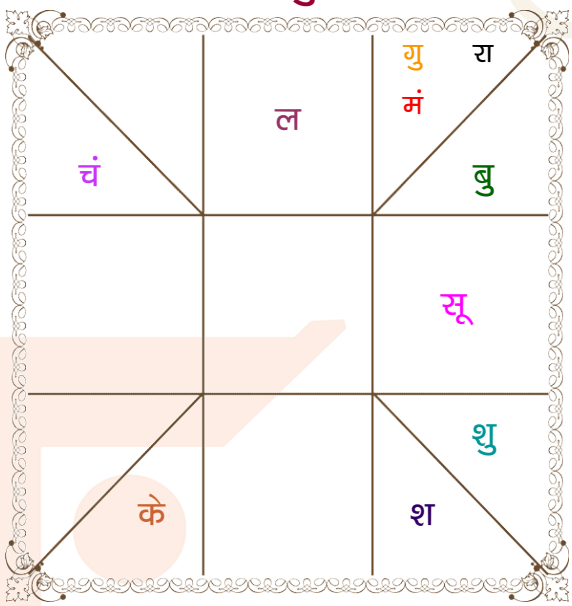

विंशोत्तरी

मंगल 0वर्ष 11मा 13दि

मंगल

09/02/1987

23/01/2101

मंगल	23/01/1988
राहु	23/01/2006
गुरु	23/01/2022
शनि	22/01/2041
बुध	23/01/2058
केतु	22/01/2065
शुक्र	22/01/2085
सूर्य	23/01/2091
चन्द्र	23/01/2101

योगिनी

संकटा 1वर्ष 1मा 2दि

पिंगला

13/03/2025

14/03/2027

पिंगला	23/04/2025
धान्या	23/06/2025
भ्रामरी	12/09/2025
भद्रिका	22/12/2025
उल्का	23/04/2026
सिद्धा	12/09/2026
संकटा	21/02/2027
मंगला	14/03/2027

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	13:52:39	438:26:03	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मक	26:13:29	01:00:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	04:51:04	11:50:36	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मीन	28:25:43	00:41:39	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
बुध			कुंभ	13:54:51	01:18:53	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	01:22:57	00:13:12	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			धनु	10:53:05	01:07:27	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि			वृश्चि	25:28:54	00:04:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:27:27	00:07:30	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:27:27	00:07:30	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	01:56:54	00:02:29	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप			धनु	13:22:37	00:01:47	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	16:17:50	00:00:05	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			मक	03:11:28	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:34

लग्न-चलित

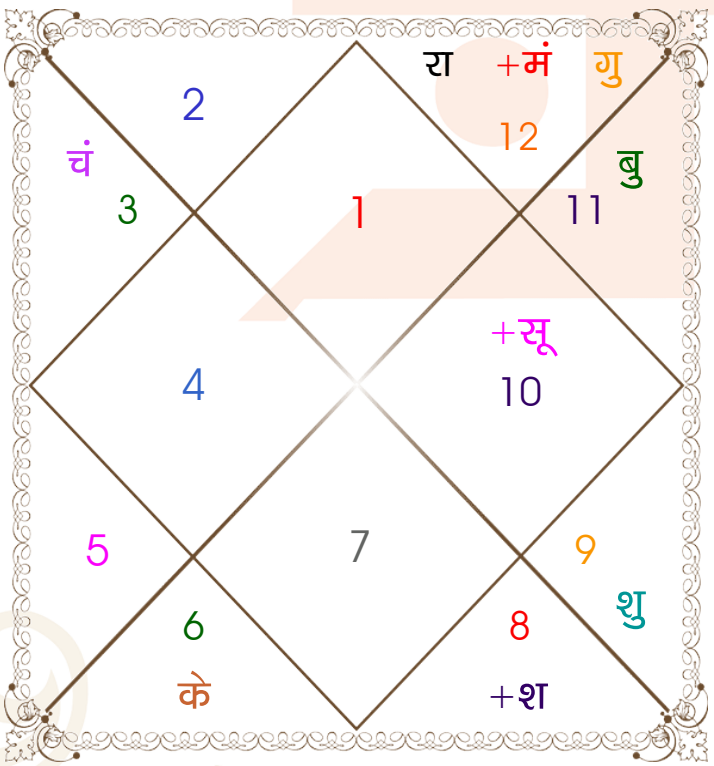

चन्द्र कुंडली

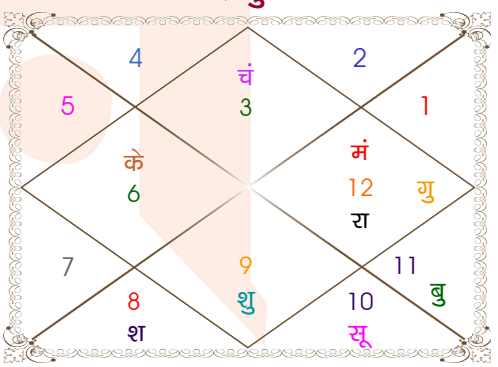

नवमांश कुंडली

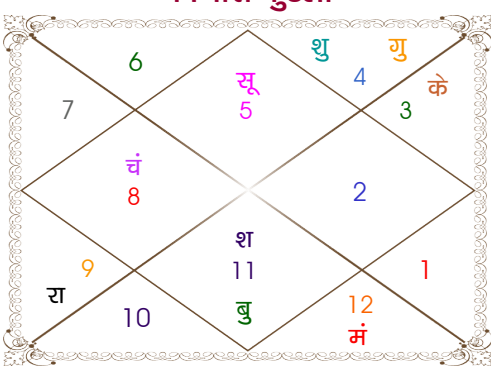

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	मीन	27:05:47	मेष	13:52:39
2	मेष	27:05:47	वृष	10:18:55
3	वृष	23:32:03	मिथुन	06:45:12
4	मिथुन	19:58:20	कर्क	03:11:28
5	कर्क	19:58:20	सिंह	06:45:12
6	सिंह	23:32:03	कन्या	10:18:55
7	कन्या	27:05:47	तुला	13:52:39
8	तुला	27:05:47	वृश्चिक	10:18:55
9	वृश्चिक	23:32:03	धनु	06:45:12
10	धनु	19:58:20	मकर	03:11:28
11	मकर	19:58:20	कुम्भ	06:45:12
12	कुम्भ	23:32:03	मीन	10:18:55

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	मेष	13:52:39
2	वृष	13:40:48
3	मिथुन	08:40:09
4	कर्क	03:11:28
5	सिंह	00:57:03
6	कन्या	04:57:34
7	तुला	13:52:39
8	वृश्चिक	13:40:48
9	धनु	08:40:09
10	मकर	03:11:28
11	कुम्भ	00:57:03
12	मीन	04:57:34

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त
चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण
धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी

चलित कुंडली

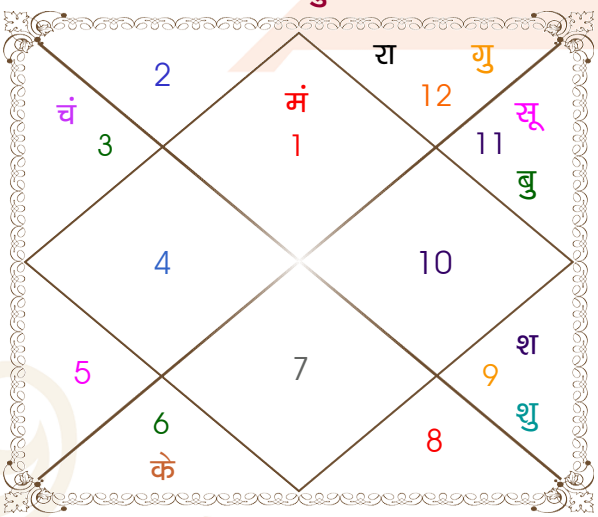

भाव कुंडली

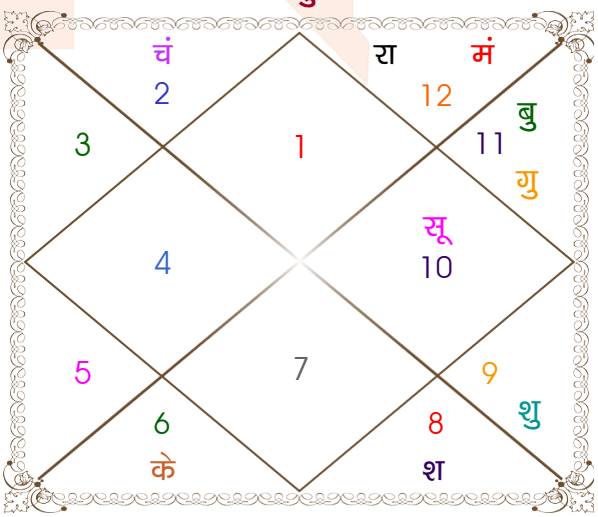

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------			------- अवस्था -------			
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	अमात्य	पितृ	बाल	खल	आगम	5.90	75 %
चंद्र	ज्ञाति	मातृ	बाल	मुदित	निद्रा	7.41	38 %
मंगल	आत्मा	भ्रातृ	बाल	मुदित	शयन	3.32	56 %
बुध	मातृ	ज्ञाति	युवा	निपीदित	प्रकाश	1.04	56 %
गुरु	कलत्र	धन	मृत	स्वस्थ	भोजन	3.29	59 %
शुक्र	पुत्र	कलत्र	कुमार	शान्त	प्रकाश	3.94	47 %
शनि	भ्रातृ	आयु	बाल	खल	प्रकाश	1.61	60 %
राहु	---	ज्ञान	कुमार	शान्त	प्रकाश	0.00	0 %
केतु	---	मोक्ष	कुमार	खल	नृत्यलिप्सा	0.00	45 %
कुल						26.50	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त
चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण
धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी

चलित कुंडली

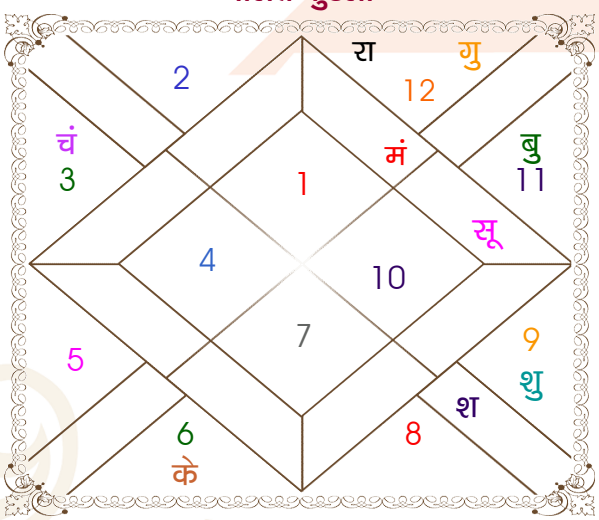

लग्न-चलित

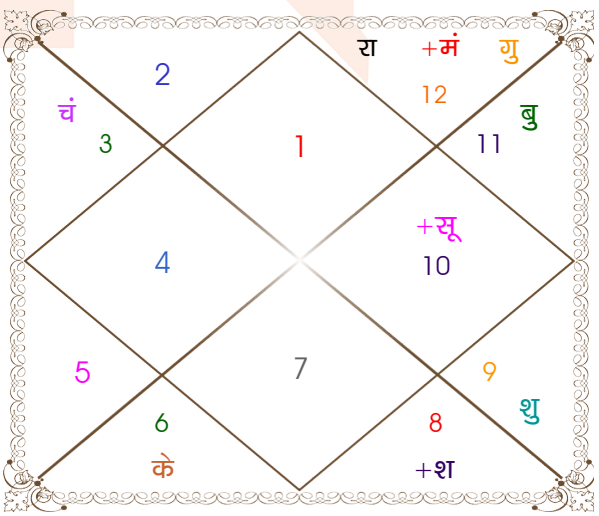

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 11 मास 13 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/02/1987		23/01/1988		23/01/2006		23/01/2022		22/01/2041	
23/01/1988		23/01/2006		23/01/2022		22/01/2041		23/01/2058	
	00/00/0000	राहु	05/10/1990	गुरु	12/03/2008	शनि	25/01/2025	बुध	21/06/2043
	00/00/0000	गुरु	28/02/1993	शनि	23/09/2010	बुध	06/10/2027	केतु	17/06/2044
	00/00/0000	शनि	05/01/1996	बुध	29/12/2012	केतु	13/11/2028	शुक्र	18/04/2047
	00/00/0000	बुध	24/07/1998	केतु	05/12/2013	शुक्र	14/01/2032	सूर्य	23/02/2048
	00/00/0000	केतु	12/08/1999	शुक्र	05/08/2016	सूर्य	26/12/2032	चंद्र	24/07/2049
	09/02/1987	शुक्र	11/08/2002	सूर्य	24/05/2017	चंद्र	27/07/2034	मंगल	21/07/2050
शुक्र	16/02/1987	सूर्य	06/07/2003	चंद्र	23/09/2018	मंगल	05/09/2035	राहु	07/02/2053
सूर्य	24/06/1987	चंद्र	04/01/2005	मंगल	30/08/2019	राहु	12/07/2038	गुरु	15/05/2055
चंद्र	23/01/1988	मंगल	23/01/2006	राहु	23/01/2022	गुरु	22/01/2041	शनि	23/01/2058

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/01/2058		22/01/2065		22/01/2085		23/01/2091		23/01/2101	
22/01/2065		22/01/2085		23/01/2091		23/01/2101		00/00/0000	
केतु	21/06/2058	शुक्र	24/05/2068	सूर्य	12/05/2085	चंद्र	23/11/2091	मंगल	21/06/2101
शुक्र	21/08/2059	सूर्य	24/05/2069	चंद्र	11/11/2085	मंगल	23/06/2092	राहु	10/07/2102
सूर्य	27/12/2059	चंद्र	23/01/2071	मंगल	18/03/2086	राहु	23/12/2093	गुरु	16/06/2103
चंद्र	27/07/2060	मंगल	24/03/2072	राहु	10/02/2087	गुरु	24/04/2095	शनि	25/07/2104
मंगल	23/12/2060	राहु	25/03/2075	गुरु	29/11/2087	शनि	22/11/2096	बुध	22/07/2105
राहु	10/01/2062	गुरु	23/11/2077	शनि	10/11/2088	बुध	24/04/2098	केतु	18/12/2105
गुरु	17/12/2062	शनि	22/01/2081	बुध	17/09/2089	केतु	23/11/2098	शुक्र	10/02/2107
शनि	26/01/2064	बुध	23/11/2083	केतु	23/01/2090	शुक्र	25/07/2100		00/00/0000
बुध	22/01/2065	केतु	22/01/2085	शुक्र	23/01/2091	सूर्य	23/01/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
25/01/2025		06/10/2027		13/11/2028		14/01/2032		26/12/2032	
06/10/2027		13/11/2028		14/01/2032		26/12/2032		27/07/2034	
बुध	14/06/2025	केतु	29/10/2027	शुक्र	25/05/2029	सूर्य	31/01/2032	चंद्र	12/02/2033
केतु	10/08/2025	शुक्र	05/01/2028	सूर्य	22/07/2029	चंद्र	29/02/2032	मंगल	18/03/2033
शुक्र	21/01/2026	सूर्य	25/01/2028	चंद्र	26/10/2029	मंगल	20/03/2032	राहु	13/06/2033
सूर्य	11/03/2026	चंद्र	28/02/2028	मंगल	02/01/2030	राहु	12/05/2032	गुरु	29/08/2033
चंद्र	01/06/2026	मंगल	22/03/2028	राहु	24/06/2030	गुरु	27/06/2032	शनि	28/11/2033
मंगल	28/07/2026	राहु	22/05/2028	गुरु	25/11/2030	शनि	21/08/2032	बुध	18/02/2034
राहु	23/12/2026	गुरु	15/07/2028	शनि	28/05/2031	बुध	09/10/2032	केतु	24/03/2034
गुरु	03/05/2027	शनि	17/09/2028	बुध	07/11/2031	केतु	29/10/2032	शुक्र	28/06/2034
शनि	06/10/2027	बुध	13/11/2028	केतु	14/01/2032	शुक्र	26/12/2032	सूर्य	27/07/2034

शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु	
27/07/2034		05/09/2035		12/07/2038		22/01/2041		21/06/2043	
05/09/2035		12/07/2038		22/01/2041		21/06/2043		17/06/2044	
मंगल	20/08/2034	राहु	08/02/2036	गुरु	12/11/2038	बुध	27/05/2041	केतु	12/07/2043
राहु	20/10/2034	गुरु	26/06/2036	शनि	08/04/2039	केतु	17/07/2041	शुक्र	10/09/2043
गुरु	13/12/2034	शनि	08/12/2036	बुध	17/08/2039	शुक्र	11/12/2041	सूर्य	29/09/2043
शनि	15/02/2035	बुध	04/05/2037	केतु	10/10/2039	सूर्य	24/01/2042	चंद्र	29/10/2043
बुध	13/04/2035	केतु	04/07/2037	शुक्र	12/03/2040	चंद्र	07/04/2042	मंगल	19/11/2043
केतु	07/05/2035	शुक्र	25/12/2037	सूर्य	27/04/2040	मंगल	28/05/2042	राहु	12/01/2044
शुक्र	13/07/2035	सूर्य	15/02/2038	चंद्र	14/07/2040	राहु	07/10/2042	गुरु	01/03/2044
सूर्य	02/08/2035	चंद्र	12/05/2038	मंगल	06/09/2040	गुरु	02/02/2043	शनि	27/04/2044
चंद्र	05/09/2035	मंगल	12/07/2038	राहु	22/01/2041	शनि	21/06/2043	बुध	17/06/2044

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
17/06/2044		18/04/2047		23/02/2048		24/07/2049		21/07/2050	
18/04/2047		23/02/2048		24/07/2049		21/07/2050		07/02/2053	
शुक्र	07/12/2044	सूर्य	04/05/2047	चंद्र	06/04/2048	मंगल	14/08/2049	राहु	08/12/2050
सूर्य	27/01/2045	चंद्र	29/05/2047	मंगल	06/05/2048	राहु	07/10/2049	गुरु	11/04/2051
चंद्र	24/04/2045	मंगल	17/06/2047	राहु	22/07/2048	गुरु	25/11/2049	शनि	06/09/2051
मंगल	23/06/2045	राहु	02/08/2047	गुरु	29/09/2048	शनि	21/01/2050	बुध	15/01/2052
राहु	25/11/2045	गुरु	13/09/2047	शनि	20/12/2048	बुध	13/03/2050	केतु	10/03/2052
गुरु	12/04/2046	शनि	01/11/2047	बुध	04/03/2049	केतु	04/04/2050	शुक्र	12/08/2052
शनि	23/09/2046	बुध	15/12/2047	केतु	03/04/2049	शुक्र	03/06/2050	सूर्य	28/09/2052
बुध	17/02/2047	केतु	02/01/2048	शुक्र	28/06/2049	सूर्य	21/06/2050	चंद्र	14/12/2052
केतु	18/04/2047	शुक्र	23/02/2048	सूर्य	24/07/2049	चंद्र	21/07/2050	मंगल	07/02/2053

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
07/02/2053		15/05/2055		23/01/2058		21/06/2058		21/08/2059	
15/05/2055		23/01/2058		21/06/2058		21/08/2059		27/12/2059	
गुरु	28/05/2053	शनि	18/10/2055	केतु	31/01/2058	शुक्र	31/08/2058	सूर्य	27/08/2059
शनि	06/10/2053	बुध	05/03/2056	शुक्र	25/02/2058	सूर्य	21/09/2058	चंद्र	07/09/2059
बुध	31/01/2054	केतु	02/05/2056	सूर्य	05/03/2058	चंद्र	27/10/2058	मंगल	14/09/2059
केतु	21/03/2054	शुक्र	13/10/2056	चंद्र	17/03/2058	मंगल	20/11/2058	राहु	04/10/2059
शुक्र	06/08/2054	सूर्य	01/12/2056	मंगल	26/03/2058	राहु	23/01/2059	गुरु	21/10/2059
सूर्य	16/09/2054	चंद्र	21/02/2057	राहु	17/04/2058	गुरु	21/03/2059	शनि	10/11/2059
चंद्र	24/11/2054	मंगल	19/04/2057	गुरु	07/05/2058	शनि	28/05/2059	बुध	28/11/2059
मंगल	11/01/2055	राहु	14/09/2057	शनि	31/05/2058	बुध	27/07/2059	केतु	05/12/2059
राहु	15/05/2055	गुरु	23/01/2058	बुध	21/06/2058	केतु	21/08/2059	शुक्र	27/12/2059

केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि	
27/12/2059		27/07/2060		23/12/2060		10/01/2062		17/12/2062	
27/07/2060		23/12/2060		10/01/2062		17/12/2062		26/01/2064	
चंद्र	13/01/2060	मंगल	04/08/2060	राहु	18/02/2061	गुरु	25/02/2062	शनि	19/02/2063
मंगल	26/01/2060	राहु	27/08/2060	गुरु	11/04/2061	शनि	20/04/2062	बुध	18/04/2063
राहु	27/02/2060	गुरु	16/09/2060	शनि	10/06/2061	बुध	07/06/2062	केतु	11/05/2063
गुरु	26/03/2060	शनि	09/10/2060	बुध	04/08/2061	केतु	27/06/2062	शुक्र	18/07/2063
शनि	29/04/2060	बुध	30/10/2060	केतु	26/08/2061	शुक्र	23/08/2062	सूर्य	07/08/2063
बुध	29/05/2060	केतु	08/11/2060	शुक्र	29/10/2061	सूर्य	09/09/2062	चंद्र	10/09/2063
केतु	11/06/2060	शुक्र	03/12/2060	सूर्य	17/11/2061	चंद्र	07/10/2062	मंगल	03/10/2063
शुक्र	16/07/2060	सूर्य	10/12/2060	चंद्र	19/12/2061	मंगल	27/10/2062	राहु	03/12/2063
सूर्य	27/07/2060	चंद्र	23/12/2060	मंगल	10/01/2062	राहु	17/12/2062	गुरु	26/01/2064

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
26/01/2064		22/01/2065		24/05/2068		24/05/2069		23/01/2071	
22/01/2065		24/05/2068		24/05/2069		23/01/2071		24/03/2072	
बुध	17/03/2064	शुक्र	13/08/2065	सूर्य	11/06/2068	चंद्र	14/07/2069	मंगल	17/02/2071
केतु	08/04/2064	सूर्य	13/10/2065	चंद्र	12/07/2068	मंगल	18/08/2069	राहु	22/04/2071
शुक्र	07/06/2064	चंद्र	23/01/2066	मंगल	02/08/2068	राहु	18/11/2069	गुरु	17/06/2071
सूर्य	25/06/2064	मंगल	04/04/2066	राहु	26/09/2068	गुरु	07/02/2070	शनि	24/08/2071
चंद्र	25/07/2064	राहु	03/10/2066	गुरु	13/11/2068	शनि	14/05/2070	बुध	23/10/2071
मंगल	15/08/2064	गुरु	15/03/2067	शनि	10/01/2069	बुध	08/08/2070	केतु	17/11/2071
राहु	09/10/2064	शनि	23/09/2067	बुध	03/03/2069	केतु	13/09/2070	शुक्र	27/01/2072
गुरु	26/11/2064	बुध	14/03/2068	केतु	24/03/2069	शुक्र	23/12/2070	सूर्य	17/02/2072
शनि	22/01/2065	केतु	24/05/2068	शुक्र	24/05/2069	सूर्य	23/01/2071	चंद्र	24/03/2072

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	9
भाग्यांक	9
मित्र अंक	1, 3, 6, 9
शत्रु अंक	4, 5, 8
शुभ वर्ष	27,36,45,54,63
शुभ दिन	गुरु, रवि, मंगल
शुभ ग्रह	गुरु, सूर्य, मंगल
मित्र राशि	कन्या, कुम्भ
मित्र लग्न	कर्क, धनु, कुम्भ
अनुकूल देवता	गणेश
शुभ रत्न	मूंगा
शुभ उपरत्न	संगमूंगी
भाग्य रत्न	पुखराज
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	रक्त
शुभ दिशा	दक्षिण
शुभ समय	सूर्योदय के बाद
दान पदार्थ	केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन
दान अन्न	मल्का
दान द्रव्य	घी

ग्रह फल

सूर्य

दशमभाव में सूर्य हो तो जातक-प्रतापी, व्यवसाय कुशल, राजमान्य लब्ध-प्रतिष्ठ, राजमन्त्री, उदार, ऐश्वर्य सम्पन्न एवं लोकमान्य होता है।

मकर राशि में रवि हो तो जातक बहुभाषी, चंचल, झगड़ालू, दुराचारी, लोभी एवं परिश्रमी होता है।

आपके जन्म काल में सूर्य दशम भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन के अधिकांश महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपकी उन्नति के लिए अपना पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही व्यापार तथा आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हीं की प्रेरणा एवं सहयोग से आप सफलता अर्जित कर सकेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परन्तु वे शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। इसके साथ ही आप जीवन में उनको आर्थिक तथा अन्य रूप से पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा सुख दुःख में उनको पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

चन्द्र

तृतीय,भाव में चन्द्रमा हो तो जातक आस्तिक, तपस्वी, प्रसन्नचित्त, कफरोगी, मधुरभाषी प्रेमी, भाईयों और बहिनों का रक्षक, साहसी, विद्वान, एवं कंजूस होता है।

मिथुन राशि में चन्द्रमा हो तो जातक विद्वान, अध्ययनशील, सुन्दर, रतिकुशल, भोगी, मर्मज्ञ, नेत्र चिकित्सक, अच्छा वक्ता एवं अच्छा अन्तर्ज्ञान वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति तृतीय भाव में है। अतः माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपके प्रति उनका पूर्ण अपनत्व तथा स्नेह का भाव रहेगा एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपकी सहायता करने के लिए वे नित्य तत्पर रहेंगी। साथ ही शक्ति, साहस एवं पराक्रम में आपकी वृद्धि में वे सदैव सहायक रहेंगी। इसके अतिरिक्त वे आपको समय समय पर अच्छा भोजन खिलाने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा पालन के लिए प्रायः तत्पर रहेंगे। साथ ही यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परन्तु इससे आपके मधुर संबंधों में कोई विशेष प्रभाव नहीं पडेगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी पूर्ण सेवा तथा आर्थिक सहायता तथा अन्य प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं उन्हें किसी भी प्रकार असुविधा नहीं होने देंगे। इसके लिए आप सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे।

मंगल

बारहवें भाव में मंगल हो तो जातक नेत्ररोगी, स्त्रीनाशक, ऋणी, झगड़ालू, मूर्ख, व्ययशील एवं नीच प्रकृति का पापी होता है।

मीन राशि में मंगल हो तो जातक गौवरवर्ण, कामुक, आज्ञाकारी गन्दा, अस्थिर जीवन, रोगी, प्रवासी, मान्त्रीक, बन्धु-द्वेषी, नास्तिक, हठी, धूर्त और वाचाल होता है।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति द्वादश भाव में विद्यमान है अतः भाई बहिनों से आप सामान्य स्नेह तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थता भी उनमें विद्यमान रहेगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगे तथा जीवन में आपको वांछित आर्थिक तथा अन्य रूप से अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी आपको उन्से पूर्ण सहानुभूति तथा सहायता प्राप्त होगी।

आपके मन में भी उनके प्रति सम्मान एवं स्नेह की भावना रहेगी एवं यथाशक्ति जीवन में उनको अपनी ओर से आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के कारण तनाव की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय के बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा।

बुध

ग्यारहवें भाव में बुध हो तो जातक ईमानदार, सुन्दर, पुत्रवान्, सरदार, गायनप्रिय, विद्वान्, प्रसिद्ध, धनवान्, सदाचारी, योगी, दीर्घायु, शत्रुनाशक एवं विचारवान् होता है।

कुम्भ राशि में बुध हो तो जातक कुटुम्बहीन, दुःखी, अल्पधनी, झगड़ालू, प्रसिद्ध निर्बल स्वास्थ्य एवं प्रगति करने वाला होता है।

गुरु

द्वादश भाव में गुरु हो तो जातक मितभाषी, योगाभ्यासी, परोपकारी, उदार, आलसी, सुखी, मितव्ययी, शास्त्रज्ञ, सम्पादक, लोभी, यात्री एवं दुष्ट चित्तवाला होता है।

मीन राशि में गुरु हो तो जातक लेखक, शास्त्रज्ञ, गर्वहीन, राजमान्य, शान्त, व्यवहार कुशल, दयालु, साहित्य प्रेमी, विरासत में धन सम्पत्ति प्राप्त करने वाला, साहसी एवं उच्चपद पर आसीन होता है।

शुक्र

नवम भाव में शुक्र हो तो जातक धर्मात्मा, राजप्रिय, पवित्रतीर्थ यात्राओं का कर्ता, दयालु, प्रेमी, गृहसुखी, गुणी, चतुर एवं आस्तिक होता है।

धनु राशि में शुक्र हो तो जातक धनी, बलशाली, स्वोपार्जित द्रव्य द्वारा पुण्य करने वाला, विद्वान, सुन्दर, लोकमान्य, राज्यमान्य, सुखी घरेलू जीवन, उच्चपद की प्राप्ति एवं प्रभावशाली होता है।

शनि

अष्टम भाव में शनि हो तो जातक विद्वान् स्थूलशरीर, उदार प्रकृति, कपटी, गुप्तरोगी, वाचाल, डरपोक, कुष्ठरोगी एवं धूर्त होता है।

वृश्चिक राशि में शनि हो तो जातक संकीर्ण विचारों वाला, हिंसक, कठोरघ्दय, उतावला, कमजोर स्वास्थ्य, बुरी आदतें, दुःखी, विष से खतरा, निर्धन स्त्रीहीन, क्रोधी, कठोर एवं लोभी होता है।

राहु

बारहवें भाव में राहु हो तो जातक विवेकहीन, कामी, चिन्ताशील, अतिव्ययी, सेवक, परिश्रमी, मूर्ख एवं मतिमन्द होता है।

मीन राशि में राहु हो तो जातक आस्तिक, कुलीन, शान्त, कलाप्रिय और दक्ष होता है।

केतु

षष्ठभाव में केतु हो तो जातक वात विकारी, झगड़ालू, अरिष्टनिवारक, सुखी, मितव्ययी, भूत प्रेतजनित रोगों से रोगी, दुर्घटना, दीर्घायु एवं धनी होता है।

कन्या राशि में केतु हो तो जातक सदारोगी, मूर्ख, मन्दाग्निरोग एवं व्यर्थवादी होता है।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	21/03/1990-20/06/1990	15/12/1990-05/03/1993	15/10/1993-10/11/1993
साढेसाती प्रथम ढैया	07/06/2000-23/07/2002	08/01/2003-07/04/2003	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	23/07/2002-08/01/2003	07/04/2003-06/09/2004	13/01/2005-26/05/2005
साढेसाती तृतीय ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	----------

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	31/05/2032-13/07/2034	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	11/07/2061-13/02/2062	07/03/2062-24/08/2063	06/02/2064-09/05/2064
साढेसाती तृतीय ढैया	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	30/08/2068-04/11/2070	----------	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	व्यावसायिक उन्नति
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	धन
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	पराक्रम
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	सुख हानि
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	शत्रु व रोग

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।